Title : Need to develop tourism in Kaushambi, Uttar Pradesh.

श्री शैलेन्द्र कुमार (चायल) : सभापति महोदय, आपने मुझे जीरो ऑवर में बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपका बहुत आभारी हूं। मेरा संसदीय क्षेत्र कौशाम्बी नवसृजित जनपद है। उसमें नेशनल हाईवे है। मुगलसराय से दिल्ली वाली मेन रेलवे लाइन भी है। इसके एक तरफ गंगा और दूसरी तरफ यमुना दोनों नदियां बहती हैं। धार्मिक और ऐतिहासिक तौर पर कौशाम्बी का अपना एक बहुत महत्वपूर्ण स्थान है। भगवान बुद्ध ने नौ वर्ा वहां प्रवास किया था। पूरे देश में बहुत दूर-दूर से तथा चीन, इंडोनेशिया, जापान, कोरिया

---

* Not Recorded.

इत्यादि तमाम देशों से पर्यटक वहां दर्शन करने के लिए आते हैं। वहीं पर एक अलवारा झील भी है, जो 400 हैक्टेअर एरिया में फैली है। वहां तमाम तरह के विदेशी पक्षी भी आते हैं। वहां से संबंधित एक प्रस्तावित योजना प्रदेश सरकार ने केन्द्र सरकार के पास भेजी है। यह 136 लाख रुपये की योजना है। इसी कौशाम्बी में राजा उदयन की राजधानी है, वहां शीतला मां कड़ा का धार्मिक और ऐतिहासिक मंदिर है, वहां संदीपन घाट है, जिसका योगीराज कृण जी के कारण ऐतिहासिक महत्व है। वहां कुरई घाट है, जहां ऋंग्वेरपुर जगह है। यहां भगवान राम ने केवट के माध्यम नदी को पार किया था।

मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि वहां क्षेत्रीय पर्यटन का एक ऑफिस खोला जाए। वहां मनौरी, भरवारी, सिराथू और खागा स्टेशन हैं। यहां विदेशों से लोग आते हैं। लेकिन इन स्टेशनों पर एक्सप्रेस ट्रेनें नहीं रुकती है। मेरा निवेदन है कि इन स्टेशनों पर एक्सप्रेस ट्रेनें रोकी जाएं, ताकि देशी तथा विदेशी पर्यटक वहां आकर दर्शन कर सकें।

अंत में मैं कहना चाहता हूं कि इसके बगल में बम्हरौली एयरपोर्ट है। संसदीय कार्य मंत्री यहां मौजूद हैं। मैं केन्द्र सरकार से मांग करता हूं कि एयर इंडिया और एयरलाइंस के अलावा तमाम एयरलाइंस की फ्लाइट्स वहां जाए, ताकि जो विदेशी पर्यटक वहां आते हैं, उन्हें फ्लाइट की सुविधा मिल सके। आखिरी वाक्य कहते हुए मैं अपनी बात समाप्त करता हूं कि कौशाम्बी को केन्द्रीय पर्यटक स्थल घोिति करते हुए वहां पर्यटकों के लिए जो भी सुविधाए मुहैया हो सकें, जल्दी से जल्दी उपलब्ध कराई जाएं। धन्यवाद।